राष्ट्रपति के 2023 के अभिभाषण के मुख्य अंश

भारत की राष्ट्रपति सुश्री द्रौपदी मुर्मू ने 31 जनवरी, 2023 को संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया। उन्होंने अपने अभिभाषण में सरकार की प्रमुख नीतिगत उपलब्धियों और लक्ष्यों को रेखांकित किया। अभिभाषण के मुख्य अंश निम्नलिखित हैं:

अर्थव्यवस्था एवं वित्त

- भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से, 300 से अधिक योजनाओं के लाभार्थियों को 27 लाख करोड़ रुपए से अधिक का मौद्रिक लाभ मिला है।
- फेसलेस असेसमेंट के जरिए इनकम टैक्स सिस्टम में, जीएसटी के जरिए टैक्सेशन में और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के जरिए सरकारी खरीद में पारदर्शिता और जवाबदेही लाई गई है। यह टेंडर्स और सरकारी खरीद की एक प्रणाली है। जीईएम पर तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन हुआ है।
- बेनामी संपत्ति एक्ट, 2016 को भ्रष्टाचार मुक्त इकोसिस्टम बनाने के लिए अधिसूचित किया गया था। फरार अपराधियों की संपत्तियों को जब्त करने के लिए भगोड़ा आर्थिक अपराधी एक्ट, 2018 पारित किया गया था।

कृषि एवं खाद्य आपूर्ति

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत गरीबों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।
- 11 करोड़ छोटे किसान, सरकार की प्राथमिकता हैं। पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत उन्हें 2.25 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। योजना के तहत लगभग तीन करोड़ महिला किसानों को 54,000 करोड़ रुपए प्रदान किए गए हैं।
- पशुपालकों और मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए गए हैं। पारंपरिक बाजरे की फसल और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उद्योग

- भारत मोबाइल फोन का एक प्रमुख निर्यातक बन गया है। खिलौनों के निर्यात में 60% की वृद्धि हुई है, जबकि आयात में 70% की कमी आई है।
- खादी और ग्रामीण उद्योगों का कारोबार एक लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है और खादी की बिक्री चार गुना बढ़ गई है।
- ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में, भारत 2015 में 81वें स्थान से 2022 में 40वें स्थान पर आ गया है। जहां सात वर्ष पहले स्टार्टअप्स की संख्या सैकड़ों में थी, वहीं आज लगभग 90,000 पंजीकृत स्टार्ट-अप्स हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर एवं परिवहन

- राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022 में शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करना है। पिछले सात वर्षों में हर दिन लगभग ढाई लाख लोग ब्रॉडबैंड से जुड़े हैं।
- इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स में विलंब को कम करने के लिए पीएम गति-शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान तैयार किया गया था। इससे देश में मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी का विस्तार होने की उम्मीद है।
- पिछले आठ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 55% से अधिक की वृद्धि हुई है। भारतमाला परियोजना के तहत 550 से अधिक जिलों को राजमार्गों से जोड़ा जाएगा। औद्योगिक गलियारों के छह से बढ़कर 50 होने की उम्मीद है।
- भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक नेटवर्क बनने की राह पर है। पूर्वोत्तर के दुर्गम क्षेत्रों और जम्मू-कश्मीर को रेलमार्ग से जोड़ा जा रहा है। रेलवे सुरक्षा के लिए कवच जैसी स्वदेशी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

तन्वी विप्रा tanvi@prsindia.org
निरंजना एस. मेनन niranjana@prsindia.org

31 जनवरी, 2023

- हवाईअड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर 2022 में 147 हो गई है। उड़ान योजना की मदद से भारत तीसरा सबसे बड़ा एविएशन बाजार बन गया है।

स्वास्थ्य

- पीएम आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज मिला है। देश भर में 9000 जन औषधि केंद्रों के माध्यम से कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।
- दो वर्षों के भीतर भारत ने 220 करोड़ से अधिक वैक्सीन्स डोज़ लगाई हैं।

महिलाएं एवं बाल विकास

- महिलाएं पीएमएबीवाई की 50% लाभार्थी हैं। मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है। लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर में तेजी से कमी आई है।
- 80 लाख स्वयं सहायता समूहों से करीब नौ करोड़ महिलाएं जुड़ी हैं। मुद्रा योजना के तहत 70% लाभार्थी महिला उद्यमी हैं।
- सरकार ने अलग शौचालय बनाने और सरकारी स्कूलों में सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने जैसे कई कदम उठाए हैं। इससे ड्रॉपआउट दर में भारी कमी आई है।
- स्वच्छ भारत अभियान ने महिलाओं को एक सुरक्षित वातावरण प्रदान किया है।
- सुकन्या समृद्धि योजना के तहत करोड़ों लड़कियों के लिए बचत खाते खोले गए हैं।
- खनन या सेना में अग्रिम मोर्चों तक महिलाओं के लिए भर्तियां खोली गई हैं।

शिक्षा एवं खेल

- पिछले आठ वर्षों में 300 से अधिक नए विश्वविद्यालय और 5,000 कॉलेज स्थापित किए गए हैं।
- सरकार हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना कर रही है। 2014 और 2022 के बीच 260 से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले गए, जबकि 2004 और 2014 के दौरान 145 मेडिकल कॉलेज खोले गए थे। स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए सीटों की संख्या 2014 और 2022 के बीच दोगुनी हो गई है।
- देश भर से खेल प्रतिभाओं की पहचान करने और उनके हुनर को निखारने के लिए खेलो इंडिया और टॉप्स जैसी योजनाओं को लागू किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अल्पसंख्यक मामले

- पीएम स्वनिधि योजना के तहत करीब 40 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को कर्ज दिया गया है।
- आकांक्षी जिला कार्यक्रम की सफलता के बाद देश में 500 ब्लॉक्स को आकांक्षी ब्लॉक्स के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- सुगम्य भारत अभियान और एक साइन लैंग्वेज ने दिव्यांग लोगों के कल्याण में सहायता की है।

आदिवासी मामले

- अनुसूचित जाति के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण के लिए डॉ. अम्बेडकर उत्सव धाम, अमृत जलधारा एवं युवा उद्यमी योजना चलाई जा रही है। पीएम आदि आदर्श ग्राम योजना के तहत 36,000 से अधिक आदिवासी बहुल गांवों का विकास किया जा रहा है। आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए 3,000 से अधिक वन धन विकास केंद्र खोले गए हैं। देश के आदिवासी इलाकों में 400 से ज्यादा एकलव्य मॉडल स्कूल खुल चुके हैं।
- राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया है। बंजारा, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए कल्याण और विकास बोर्ड का गठन किया गया है।

जल एवं पर्यावरण

- जल जीवन मिशन की शुरुआत के बाद से तीन वर्षों में लगभग 11 करोड़ परिवारों को पाइप से जलापूर्ति की गई है।
- सरकार ने हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी जो हरित ऊर्जा में निवेश को आकर्षित करेगा और स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा के लिए विदेशी निर्भरता को कम करेगा। पेट्रोल में 20% इथेनॉल

सम्मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भी प्रगति हो रही है।

- देश ने नॉन फॉसिल फ्यूल से 40% बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य, निर्धारित समय से नौ वर्ष पहले हासिल किया है। यह सफलता 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने में सहायता करेगी।
- पिछले आठ वर्षों में सौर ऊर्जा क्षमता में लगभग 20 गुना वृद्धि हुई है। अक्षय ऊर्जा क्षमता में भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है।

शहरी एवं ग्रामीण विकास

- पिछले सात वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हर दिन करीब 11 हजार घर बनाए गए हैं।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 2013-14 में 3.8 लाख किलोमीटर से बढ़कर 2021-22 में 7 लाख किलोमीटर हो गया है। 99% से अधिक बसावटें सड़क मार्ग से जुड़ चुकी हैं।
- मेट्रो नेटवर्क पिछले आठ वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़ गया है। 27 शहरों में मेट्रो प्रॉजेक्ट चल रहे हैं।
- फेम योजना के तहत 7,000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें सार्वजनिक परिवहन में शामिल की गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय संबंध/विदेशी मामले

- भारत ने जी-20 की अध्यक्षता स्वीकार की है और वैश्विक चुनौतियों का सामूहिक समाधान ढूंढ़ना चाहता है।
- भारत इस वर्ष शंघाई सहयोग संगठन की अध्यक्षता कर रहा है, और क्वाडिलेट्रल सिक्योरिटी डायलॉग के सदस्य के रूप में भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम कर रहा है।
- अक्टूबर 2022 में भारत में पहली बार यूएनएससी-काउंटर टेरेरिज्म कमिटी की बैठक आयोजित की गई थी।

रक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा

- रक्षा निर्यात छह गुना बढ़ा है। पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट करियर आईएनएस विक्रांत सेना में शामिल हो गया है।
- अग्निवीर योजना शुरू की गई है जिसका उद्देश्य सुरक्षा बलों में युवाओं को शामिल करना है।
- सीमावर्ती गांवों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम शुरू किया गया है।
- वामपंथी अतिवाद, जो पिछले दशकों में सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा था, अब कुछ जिलों तक सिमट गया है।

अस्वीकरणः प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।